Date- 14/04/2020

Content writer :—
Dr. Abhay Kumar Pathak
Deptt. of Economics,
Marwari College,
Darbhanga (LNMU)

Degree Part-I (Eco. Hons)
Paper - I
Module - II
Content of the subject - Micro Economics

TOPIC :- उदासीनता वक्रों की विशेषताएँ
(Properties of Indifference Curves)

उदासीनता वक्र विश्लेषण सीमान्त प्रतिस्थापन दर पर आधारित है। जिस दर पर कोई व्यक्ति एक वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों को दूसरे वस्तु के अतिरिक्त इकाइयों के साथ बदलने के लिए तैयार हो जाता है, उस दर को सीमान्त प्रतिस्थापन दर कहा जाता है। उदासीनता वक्र के विभिन्न संयोगों के विश्लेषण के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि इनके विशेषताओं का गहन अध्ययन किया जाए। अतः उदासीनता वक्रों की विशेषताओं को निम्नांकित रूप में विश्लेषण किया जा सकता है :—

(1) उदासीनता वक्र बाये से दाये की ओर नीचे की ओर गिरता हुआ होता है :—

उदासीनता वक्र की एक प्रमुख विशेषता यह होती है कि यह बायें से दायें की ओर नीचे की तरफ गिरता हुआ होता है अर्थात् इसका ढाल ऋणात्मक होता है। इसका कारण यह है कि जब उपभोक्ता एक वस्तु की मात्रा को प्राप्त करने हेतु उसमें वृद्धि करना चाहता है तो उसे

दूसरी वस्तु के मात्रा में कुछ कमी करना पड़ता है, ताकि उसका संतुष्टि का स्तर एकैकत बना रहे। अगर तटस्थता वक्र का ढाल ऋणात्मक नहीं होता तो उसके तीन अन्य रूप जैसा ऊपर उदाहरण क्षैतिज वक्र एवं उदग्र वक्र के रूप उदासीनता वक्र 'विश्लेषण' को सिद्ध नहीं करता। अतः उदासीनता वक्र को पूर्ण रूप से सिद्ध करने के लिए यह आवश्यक है कि यह वक्र बायें से दायें की ओर नीचे झुकी हुयी हो।

(2) उदासीनता वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होता है !—

उदासीनता वक्र की दूसरी विशेषता यह है कि वह मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होता है। उदासीनता वक्र की यह विशेषता घटते सीमान्त प्रतिस्थापन की दर की मान्यता पर आधारित है। जैसे-जैसे कोई उपभोक्ता एक वस्तु की अधिक मात्रा लेता जाता है तो दूसरे वस्तु के स्थान पर पहले वस्तु को स्थानापन्न करने की दर घटती जाती है। ऐसी परिस्थिति में उदासीनता वक्र अपने मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर भी होता है। अगर उदासीनता वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर नहीं होगा तो घटती सीमान्त प्रतिस्थापन के दर की मान्यता पर यह विफल नहीं होगा।

(3) दो तटस्थता या उदासीनता वक्र एक दूसरे को नहीं काटते !—

अलग-अलग उदासीनता वक्र

Scanned with CamScanner

Date ___ / ___ / ___ Page No.: ___

संतुष्टि के अलग-अलग स्तर को व्यक्त करता है अतः वे एक-दूसरे को नहीं काटते, क्योंकि कटान-बिन्दु वाले उभयनिष्ठ बिन्दु पर संतुष्टि स्तर समान हो जाएगा जो कि ठीक नहीं है।

(4) उदासीनता वक्रों का एक-दूसरे का समानान्तर होना आवश्यक नहीं है !—

उदासीनता वक्र एक-दूसरे के समानान्तर भी हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते। यह इस बात पर निर्भर करता है कि दो उदासीनता वक्रों के बीच सीमान्त प्रतिस्थापन की दर क्या है। यदि दो वक्रों के विभिन्न बिन्दुओं की सीमान्त प्रतिस्थापन दर एक स्थिर अनुपात में ही घटती है तो यह वक्र समानान्तर होंगे अथवा ये समानान्तर नहीं होंगे।

(5) ऊँचे तथा बाहरी उदासीनता वक्र संतुष्टि के अधिक स्तर को व्यक्त करते हैं !—

उदासीनता वक्रों की यह विशेषता है कि एक उदासीनता मानचित्र में ऊँचा उदासीनता वक्र अपने से नीचे उदासीनता वक्र की अपेक्षा अधिक संतुष्टि व्यक्त करता है।

(6) उदासीनता वक्र किसी भी अक्ष को स्पर्श नहीं करता !—

उदासीनता वक्र के अवधारणा के अनुसार, उदासीनता वक्र दो वस्तुओं के मात्राओं के संयोगों को प्रदर्शित करता है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि यदि वक्र किसी अक्ष को छूता है तो

Natarbza

Date ___/___/______

Page No.: ______

उपभोक्ता इस वस्तु के शून्य मात्रा का प्रयोग करता है। अतः यह स्थिति उदासीनता वक्र के मूल धारणा के विपरित है। अर्थात उदासीनता वक्र किसी भी अक्ष को स्पर्श नहीं कर सकता।

(7) विशिष्ट प्रकार के उदासीनता वक्र विशिष्ट परिस्थिति को व्यक्त करता है:—

विशिष्ट परिस्थिति के अंतर्गत उदासीनता वक्र को निम्नांकित दो रूपों में व्यक्त किया जा सकता है:—

(a) पूर्ण स्थानापन्न वस्तुओं के लिए उदासीनता वक्र सीधी रेखा के रूप में होता है।

(b) पूर्ण पूरक वस्तुओं के लिए तटस्थता वक्र समकोणीय अथवा L-आकार का होता है।

Scanned with CamScanner